

यु.ई.एस. महिला महाविद्यालय, सोलापुर

हिंदी विभाग पीपीटी

विषय - काव्यशास्त्र

बी ए भाग तीन

काव्य-सम्प्रदाय	(काव्यशास्त्र) कालक्रम	प्रवर्तक	ग्रन्थ
1. रस -सम्प्रदाय	200 ई.पू० - 200 ई०	भरतमुनि	नाट्यशास्त्र
2. उल्लंकार-सम्प्रदाय	6 वीं शताब्दी	अमर	काव्यालंकार
3. शीति-सम्प्रदाय	8 वीं शताब्दी	वामन	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति
4. दृक्मि-सम्प्रदाय	9 वीं शताब्दी	आनन्दवर्धन	दृक्क्यालंकार
5. वक्रोक्ति-सम्प्रदाय	10-11 वीं शताब्दी मध्य	कुल्लक	वक्रोक्तिटीका
6. औचित्य-सम्प्रदाय	11 वीं शताब्दी उत्तरार्ध	क्षेमेन्द्र	औचित्यविचार चर्चा

कुछ महत्वपूर्ण काव्यशास्त्रीय-ग्रन्थ

- ① दशरूपक - धनंजय
- ② काव्यप्रकाश - मम्मट
- ③ आलंकार सर्वस्व - सूर्यक
- ④ उज्ज्वलनीलमणि - रूपगोस्वामी
- ⑤ रसगंगाधर - जगन्नाथ
- ⑥ साहित्यदर्पण - विश्वनाथ
- ⑦ चन्द्रलोक - जयदेव
- ⑧ काव्यादर्श - दण्डी
- ⑨ काव्यानुशासन - हेमचन्द्र
- ⑩ रससिद्धान्त - नगेन्द्र

भारतमुनि के रससूत्र के व्याख्याकार

आचार्य	सिद्धान्त	निष्पत्ति का अर्थ	आधारित दर्शन
भट्टलेखर	उत्पत्तिवाद	उत्पत्ति	मीमांसा दर्शन
शंकर	अनुभूतिवाद	अनुभूति	न्यायदर्शन
भट्ट नायक	भोगवाद/भुक्तिवाद	भुक्ति	सांख्य दर्शन
अभिन्नव गुप्त	अभिर्व्यक्तिवाद	अभिर्व्यक्ति	वैदन्त दर्शन

कुछ महत्वपूर्ण काव्यशास्त्रीय-ग्रन्थ

- ① दशरूपक - धनंजय
- ② काव्यप्रकाश - मम्मट
- ③ अलंकार सर्वस्व - स्वयंकर
- ④ उज्ज्वलनीलमणि - रूपगोस्वामी
- ⑤ रसगंगाधर - जगन्नाथ
- ⑥ साहित्यदर्पण - विश्वनाथ
- ⑦ चन्द्रलोक - जयदेव
- ⑧ काव्यादर्श - दण्डी
- ⑨ काव्यानुशासन - हेमचन्द्र
- ⑩ रससिद्धान्त - नगेन्द्र

- * आचार्य भरत के रससूत्र के प्रथम व्याख्याता भट्ट लीलसुत हैं।
- * रस निष्पत्ति की विवेचना में 'भावकत्व और भोजकत्व' की कल्पना भट्ट नायक ने की है।
- * रस सिद्धान्त की व्याख्या करके सबसे पहले दशक की महत्ता अभिन्व गुप्त ने स्वीकार की।
- * रस को 'ब्रह्मानन्द सहोदर', 'ब्रह्मास्वाद सहोदर', लौकीतर चमत्कर प्राण, 'वैदान्तरूपशै शून्य' इत्यादि कहा जाता है।

The image features a light teal background with stylized tropical foliage. In the top-left corner, there are several leaves in shades of teal, yellow, and dark blue. In the bottom-right corner, there are more leaves in teal, yellow, and dark blue. The central text is in a dark teal color.

आभार